TV मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति हर खबर निष्पक्षता के साथ NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

# उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 79
सोमवार, 28 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्स क्राफ्ट के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई, 442 करोड़ की संपत्ति अटैच

**नई दिल्ली, 27 सितम्बर।** ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्स क्राफ्ट और उसके एप रमी कल्चर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 442 करोड़ रुपये की नई संपत्ति अटैच की है। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि संपत्तियों को फ्रीज करने के लिए 25 सितंबर को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया था।

इसमें गेम्स क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के शेयरधारकों के परिवार के सदस्यों और कई संबंधित संस्थाओं के नाम पर मौजूद फिक्स्ड डिपॉजिट, कामर्शियल दुकानें, एक विला और कई रिहायशी संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के अनुसार, इन संपत्तियों की कुल कीमत 442.35 करोड़ रुपये है। इस मामले में अब अटैच और फ्रीज की गई संपत्तियों की कुल कीमत 2,843 करोड़ रुपये हो गई है।

एजेंसी ने कहा है कि गेम्स क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड और रमी टाइम टेक्नोलॉजी मोबाइल

एप्लिकेशन के जरिये ऑनलाइन रियल मनी गेम्स चला रही थी। ये गेम्स रमी कल्चर, रमी प्राइम, प्लेशिप और रमी टाइम जैसे कई ब्रांड्स के तहत चलाए जा रहे थे। इन प्लेटफार्म के देशभर में लगभग तीन करोड़ यूजर्स हैं।

ईडी का आरोप है कि इनमें से बड़ी संख्या में यूजर्स उन राज्यों में थे, जहां ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध है, जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु।

जांच एजेंसी का दावा है कि हालांकि ये प्लेटफॉर्म यूजर्स को भरोसा दिलाते थे कि वे पारदर्शी, निष्पक्ष और ऑटोमेटेड प्लेयर्स से मुक्त हैं, लेकिन उन्होंने भोले-भाले यूजर्स की जानकारी या सहमति के बिना उनके खिलाफ आट्स का इस्तेमाल किया।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बॉट्स के इस्तेमाल से यूजर्स को भारी वित्तीय नुकसान हुआ, जबकि कंपनियों ने जमकर अवैध कमाई की। ईडी के अनुसार, कंपनियों के बेईमानी भरे तौर-तरीकों ने गेमिंग का ऐसा माहौल बनाया जिसकी लत लग जाती है और जो बार-बार दांव लगाने को बढ़ावा देता है।

## भारत-कनाडा संबंधों को नई ऊंचाई देने की तैयारी, जयशंकर ने कनाडाई विदेश मंत्री से की खास मुलाकात

**नई दिल्ली, 27 सितम्बर।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की अपनी समकक्ष अनीता आनंद के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर "सार्थक वार्ता" करने के बाद कहा कि भारत और कनाडा अपने संबंधों को "नयी ऊंचाई" पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। जयशंकर ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात हमेशा सुखद रहती है। उनके साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर मुलाकात की। संबंधों को नयी ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी के बीच सार्थक चर्चा हुई।" कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस सप्ताह की शुरूआत में संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संभवतः इस साल दिसंबर के आसपास कनाडा की यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा था कि भारत के साथ व्यापार वार्ता में

ओटावा "अच्छी प्रगति" कर रहा है। कार्नी ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, "भारत के साथ हमारी व्यापार वार्ता में अच्छी प्रगति हो रही है।

ये संबंध लोगों के बीच आपसी संबंधों, सुरक्षा और व्यापार एवं अर्थव्यवस्था समेत कई स्तरों पर बेहद महत्वपूर्ण हैं।" उन्होंने कहा था कि भारत और कनाडा ने पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन में यह प्रतिबद्धता जताई थी कि "इस साल जी20 तक वार्ता पूरी करने की कोशिश की जाएगी।" कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कनाडा यात्रा और भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में हुई प्रगति से जुड़े सवालों के जवाब में कही। इस समझौते का उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक बढ़ाकर सालाना 70 अरब कनाडाई डॉलर तक पहुंचाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 14-15 दिसंबर को फ्लोरिडा के डोराल स्थित ट्रंप नेशनल डोराल मियामी रिसॉर्ट में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे।

## हैदराबाद पिंक पावर रन में महाराष्ट्र की रमाबाई रणवीर बनीं प्रेरणा

**हैदराबाद, 27 सितम्बर।** पिंक पावर रन 3.0 में करीब 35,000 प्रतिभागी एक साथ जुटे। स्तन कैंसर जागरूकता, स्वास्थ्य सुरक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आयोजित इस भव्य आयोजन में महाराष्ट्र के बीड़ ज़िले की रमाबाई रणवीर की भागीदारी विशेष रही। यह आयोजन मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (टएक्छ) और सुधा रेड्डी फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसका उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता और समय पर जाँच की महत्ता को समाज तक पहुँचाना था। अंबाजोगाई की 47 वर्षीय रमाबाई पहले भी अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए नंगे पाँव 5 किमी दौड़कर सुर्खियों में आई थीं। उनकी उपस्थिति ने इस दौड़ को महिलाओं की जिद और संकल्प का प्रतीक बना दिया। इस मैराथन में 21 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी

जैसी चार श्रेणियाँ शामिल थीं। विजेताओं को कुल रु. 75 लाख के पुरस्कार दिए गए। बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग प्रतिभागियों तक सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

## राहुल गांधी निर्वाचन आयोग पर भ्रम फैलाने के लिए पद से दें इस्तीफाः मुख्यमंत्री मोहन यादव

**भोपाल, 27 सितम्बर।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच रविवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर झूठ बोलने व भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस निंदनीय कृत्य के लिए उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। यादव ने प्रदेश मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी की बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बैठक और उसके बाद जारी बयान के बाद निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े करने का कोई औचित्य नहीं रह गया। यादव ने कहा कि इससे स्पष्ट हो गया है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने एसआईआर से संबंधित फैसले एकतरफा नहीं लिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी को तुरंत माफी मांगनी चाहिए और पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। पूरी कांग्रेस को भी देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को राहुल गांधी को इस तरह के व्यवहार से रोकना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस सत्ता से बाहर रहने के कारण बौखलाई हुई है, इसलिए वह लगातार निंदनीय कृत्य कर रही है। जनता पार्टी के झूठ को बहुत करीब से देख रही है। अब उसका झूठ फिर से बेनकाब हुआ है। द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक खबर में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयोग के दो आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों पर 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं।खबर के अनुसार,

इन आपत्तियों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने और प्रक्रियागत बदलावों को लेकर सवाल उठाए गए थे। दोनों आयुक्तों ने आयोग के कुछ कदमों को अनधिकृत और अवैध भी बताया था। मुख्यमंत्री ने इन खुलासों पर राहुल गांधी की ओर से शुक्रवार को दिल्ली में किए गए संवाददाता सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष द्वारा निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय जैसे लोकतंत्र के आधारस्तंभों पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि फॉर्म-6 और एसआईआर पर निर्वाचन आयोग ने स्थिति स्पष्ट कर दी है और विपक्ष को उच्चतम न्यायालय में भी इस मुद्दे पर मुंह की खानी पड़ी है। यादव ने कहा, फिर भी नेता प्रतिपक्ष झूठ बोल रहे हैं और भ्रम फैला रहे हैं। उन्हें पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की हालत देखनी चाहिए। लोकतंत्र को संभालने की जिम्मेदारी विपक्ष की भी है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद भी राहुल गांधी का सवाल उठाना यह साबित करता है कि वह देश की संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं करते। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि ऐसा कर-के राहुल गांधी क्या करना चाहते हैं, जबकि दुनिया का सबसे खूबसूरत लोकतंत्र इन्हीं स्तंभों की वजह से बचा हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के पात्र नागरिकों को मताधिकार देने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए भाजपा निर्वाचन आयोग के साथ है। यादव ने कहा कि कांग्रेस आज निर्वाचन आयोग पर सवाल उठा रही है, लेकिन उसे अपने राजनीतिक सफर और प्रदर्शन पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा, आज आवश्यकता आयोग पर आरोप लगाने की नहीं बल्कि कांग्रेस को यह समझने की है कि जनता का उसके प्रति विश्वास क्यों कम होता जा रहा है। राहुल गांधी को भी आरोप लगाने से पहले तथ्यों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यादव ने कहा, लोकतंत्र में हार-जीत होती रहती है। कांग्रेस को चाहिए कि वह आरोप-प्रत्यारोप के बजाय अपनी संगठनात्मक कमियों का मूल्यांकन करे, आत्मचिंतन करे और जनता के बीच अपना विश्वास मजबूत करने का प्रयास करे। खंडेलवाल ने इस अवसर पर कहा कि राहुल गांधी का अराजक राजनीति करने और संवैधानिक संस्थाओं पर हमले का पुराना इतिहास रहा है तथा बार-बार मुंह की खाने के बाद भी वह लोकतांत्रिक मूल्यों को लांघने का काम करते हैं।

## बैंक यूनियनों की तीन दिवसीय हड़ताल शुरू, 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

**नई दिल्ली।** पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और अन्य लंबित मांगों को लेकर बैंक यूनियनों द्वारा सोमवार से तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल शुरू किए जाने से चेक क्लीयरेंस, नकद निकासी और जमा सहित बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। हड़ताल का मुख्य असर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, पुरानी पीढ़ी के निजी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में देखने को मिल सकता है। हालांकि डिजिटल बैंकिंग और अन्य ऑनलाइन सेवाओं के सामान्य रूप से चालू रहने की संभावना है।इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक जैसे नई पीढ़ी के निजी बैंकों की शाखाएं इन तीन दिनों के दौरान खुली रहेंगी। यह तीन दिवसीय हड़ताल 11 सितंबर को आयोजित एक दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के बाद की जा रही है। सार्वजनिक क्षेत्र के ज्यादातर बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल और उससे होने वाली संभावित असुविधा के बारे में बता दिया है।भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्राहकों को जारी परामर्श में कहा कि बैंक शाखाओं और कार्यालयों में आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने की हर कोशिश की जाएगी, फिर भी हड़ताल के दौरान कुछ सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। एसबीआई ने कहा, "इसलिए ग्राहकों से अनुरोध है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए हड़ताल की प्रस्तावित तारीखों से काफी पहले अपने आवश्यक बैंकिंग लेनदेन पूरे कर लें। ग्राहकों से यह भी आग्रह किया जाता है कि वे नकदी की जरूरतों के लिए एटीएम और नकद जमा मशीनों का उपयोग करें तथा जहां तक संभव हो योनो, इंटरनेट/मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और अन्य डिजिटल माध्यमों का सहारा लें।" बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के सात संगठनों के शीर्ष निकाय यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने इस हड़ताल का आह्वान किया है।

## जम्मू के प्रवासी शिविरों में 82 .45 करोड़ से 5000 फ्लैटों और बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण शुरू

**जम्मू, 27 सितम्बर।** विस्थापित कश्मीरी पंडित परिवारों की लंबित मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने जम्मू के विभिन्न प्रवासी शिविरों में बड़े पैमाने पर मरम्मत और नवीनीकरण का कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत 200 से अधिक भवन खंडों और करीब 5,000 फ्लैट के अलावा सामुदायिक भवनों तथा अन्य साझा सुविधाओं की

मरम्मत की जाएगी। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि प्रवासी शिविरों में इतने बड़े स्तर पर पहली बार मरम्मत और नवीनीकरण का काम किया जा रहा है। जम्मू के जगती और अन्य स्थानों पर बने कई शिविर मुख्य रूप से प्रधानमंत्री पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास कार्यक्रम के तहत 2004 से 2011 के बीच स्थापित किए गए थे। इन शिविरों में रहने वाले प्रवासी परिवार लंबे समय से भवनों और साझा सुविधाओं की मरम्मत, नवीनीकरण तथा बुनियादी ढांचे में सुधार की मांग कर रहे थे, क्योंकि ये समय के साथ पुराने हो गए हैं और इनमें व्यापक स्तर पर काम की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के राहत एवं पुनर्वास (प्रवासी) आयुक्त अरविंद करवानी ने वरिष्ठ अधिकारियों के दल के साथ जगती और नगरोटा प्रवासी शिविरों में जारी विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी भवनों का संरचनात्मक ऑडिट कराने तथा स्थानीय लोगों और संबंधित शिविर कमांडेंट से सलाह लेकर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। करवानी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (सड़क एवं भवन) ने जम्मू के प्रवासी शिविरों में प्रमुख मरम्मत और नवीनीकरण कार्य शुरू किए हैं। इनमें 200 से अधिक भवन खंड, करीब 5,000 फ्लैट, सामुदायिक भवन और अन्य साझा सुविधाएं शामिल हैं।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

## विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2026

# आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

-ललित गर्ग

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है।

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है—ह्लहृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैंने अपने पूर्व के आलेख ह्यभारतीय दिल खतरे मेंह्व और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने

अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है?

आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है। लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है। यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है। इसके साथ ही सरकारों को हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक निःशुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए हेल्दी हार्ट कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं। दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियां बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं। विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं। हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

# लोकतंत्र की बुनियाद पर चोटः जब कानून के रक्षक ही बनने लगें भक्षक

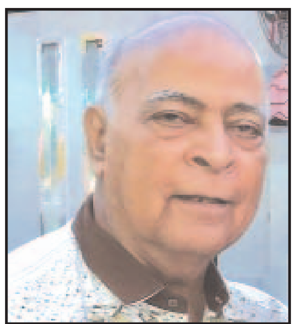

अशोक भाटिया

'सर्वसम्मति' का आवरण और संस्थागत रार

भारतीय लोकतंत्र की नींव जिस निष्पक्षता और पारदर्शिता पर टिकी है, उसकी प्रहरी संस्था 'भारत निर्वाचन आयोग' इस समय एक अभूतपूर्व आंतरिक और बाहरी संकट से गुजर रही है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर हाल के दिनों में जो राजनीतिक और प्रशासनिक रार मचा है, उसने निर्वाचन सदन की चारदीवारी के भीतर चलने वाली निर्णय प्रक्रिया पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, आयोग ने आनन-फानन में एक पूर्ण-पीठ की बैठक बुलाकर यह स्पष्टीकरण जारी किया है कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों—सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी—की सर्वसम्मति और पूर्ण सहमति से ही लिए गए थे. लेकिन संस्थागत शुचिता के नजरिए से यह सवाल उठना लाजिमी है कि यदि अंतिम नीतिगत दस्तावेजों पर सभी आयुक्तों के हस्ताक्षर थे और सब कुछ तकनीकी रूप से 'एकमत' था, तो फिर पर्दे के पीछे से लेकर सड़क तक इतनी बड़ी 'रार' किस बात की है? क्या केवल अंत में हस्ताक्षर हो जाना ही किसी लोकतांत्रिक संस्था के भीतर 'स्वस्थ विमर्श' का प्रतीक मान लिया जाए, या फिर उस सर्वसम्मति के पीछे छिपी असहमतियों के लंबे सिलसिले को नजरअंदाज करना लोकतंत्र के लिए आत्मघाती होगा?

इस पूरे विवाद की जड़ें जितनी प्रशासनिक हैं, उतनी ही राजनीतिक भी हैं। मीडिया रिपोर्टों और आयोग के भीतर से छनकर आई खबरों के अनुसार, पिछले 10 महीनों के दौरान जब देशभर में मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए एसआईआर की प्रक्रिया चलाई जा रही थी, तब दोनों चुनाव आयुक्तों ने अलग-अलग चरणों में कम से कम 14 बार अपनी लिखित आपत्तियां और चिंताएं दर्ज कराई थीं। ये आपत्तियां कोई मामूली प्रशासनिक औपचारिकताएं नहीं थीं, बल्कि इनका सीधा संबंध आम नागरिकों के मताधिकार, डेटाबेस सुरक्षा और फॉर्म-6 में किए गए दूरगामी बदलावों से था। लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी बहु-सदस्यीय संस्था की परिकल्पना ही इसलिए की गई थी ताकि सामूहिक बुद्धिमत्ता और स्वतंत्र दृष्टिकोण के माध्यम से किसी भी एकतरफा फैसले को रोका जा सके। टी.एन. शेषन के दौर के बाद से आयोग की त्रिसदस्यीय संरचना ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि बहुमत या सर्वसम्मति की आड़ में बुनियादी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से समझौता न हो। ऐसे में, यदि दो आयुक्तों को बार-बार अपनी बात को लिखित नोट के रूप में दर्ज कराना पड़ा, तो यह साफ करता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके सहयोगियों के बीच नीतिगत निर्णयों को लेकर एक गहरी वैचारिक खाई मौजूद थी।

इस विवाद का सबसे संवेदनशील और चिंताजनक पहलू मतदाता सूची से करोड़ों नामों का कटना है। रिपोर्टों के अनुसार, देश के लगभग 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चलाई गई इस विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों से एक बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं। विपक्ष का आरोप है कि यह संख्या 13 करोड़ के पार चली गई है, जिसे उसने राजनीतिक रूप से ॰वोटों की चोरी॰ करार दिया है। हालांकि, तकनीकी और कानूनी

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

धरातल पर आयोग का यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं है कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या फर्जी मतदाताओं के नाम हटाना एक नियमित और आवश्यक प्रक्रिया है ताकि चुनाव की शुचिता बनी रहे। स्वयं उच्चतम न्यायालय ने भी मई 2026 में बिहार एसआईआर की कानूनी वैधता को बरकरार रखा था। लेकिन सवाल प्रक्रिया की नीयत से ज्यादा उसके क्रियान्वयन के तरीके पर है। जब इतनी बड़ी संख्या में नाम काटे जा रहे हों, तो उसकी जांच और सत्यापन की प्रक्रिया इतनी पारदर्शी होनी चाहिए कि आम नागरिक के मन में कोई संशय न रहे। दिल्ली जैसे राज्यों में लाखों मतदाताओं को भेजे गए नोटिसों के तरीके पर जब स्वयं सर्वोच्च अदालत ने संज्ञान लिया, तब जाकर आयोग को अपनी प्रक्रियाओं में ढील देनी पड़ी।

विवाद को हवा देने में फॉर्म-6 के साथ जोड़े गए नए 'डिक्लेरेशन' ने भी बड़ी भूमिका निभाई। इस नए नियम के तहत नए मतदाताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया को जटिल बनाने का आरोप लगा, जिससे आम नागरिकों और विशेषकर हाशिए के समाज के लिए मतदाता सूची में नाम जुड़वाना एक कठिन चुनौती बन गया। जमीनी स्तर पर यह देखा गया कि इस डिक्लेरेशन और बार-बार भौतिक सत्यापन की बाध्यता के कारण कई पात्र नागरिक भी प्रक्रिया से बाहर होने लगे। हालांकि, चौतरफा दबाव और आंतरिक मतभेदों के सार्वजनिक होने के बाद 26 सितंबर 2026 को निर्वाचन सदन में हुई आपात बैठक में आयोग ने कुछ महत्वपूर्ण और सुधारात्मक कदम उठाए हैं। आयोग ने अब स्पष्ट किया है कि फॉर्म-6 के साथ दिया जाने वाला यह डिक्लेरेशन केवल मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान ही अनिवार्य रहेगा और इसके बाद सामान्य दिनों में होने वाले पंजीकरण के लिए पुराना प्रारूप ही लागू होगा। इसके साथ ही, तार्किक विसंगतियों वाले मतदाताओं के लिए 'फिजिकल हीयरिंग' की अनिवार्यता को समाप्त करना और दिल्ली व महाराष्ट्र जैसे चुनावी राज्यों में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय-सीमा को क्रमशः 30 अक्टूबर और 12 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाना यह साबित करता है कि आयोग को अंततः अपनी गलतियों और जमीनी अव्यावहारिकता का अहसास हुआ। परंतु, यह डैमेज कंट्रोल तब हुआ जब संस्था की साख पर बट्टा लग चुका था।

प्रशासनिक स्तर पर आंतरिक रार की भयावहता तब खुलकर सामने आई जब यह पता चला कि चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को पत्र लिखकर एक प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी के कामकाज और आंतरिक शक्तियों के बंटवारे को लेकर हस्तक्षेप की मांग की थी। हालांकि, आयोग ने अपने हालिया प्रेस नोट में इस पर यह सफाई दी है कि यह पत्र किसी नीतिगत या वैचारिक मतभेद का हिस्सा नहीं था, बल्कि विशुद्ध रूप से एक अधिकारी के प्रशासनिक आचरण से जुड़ा था। लेकिन इस दलील को पूरी तरह से स्वीकार करना प्रशासनिक समझ को धोखा देने जैसा है। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, जिसकी संप्रभुता कार्यपालिका (सरकार) के नियंत्रण से मुक्त है। यदि आयोग के शीर्ष पदाधिकारियों को अपने आंतरिक प्रशासनिक विवादों को सुलझाने के लिए देश के सबसे बड़े नौकरशाह यानी कैबिनेट सचिव का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है, तो यह दर्शाता है कि आयोग का आंतरिक लोकतंत्र और उसकी स्वायत्त कार्यप्रणाली गंभीर रूप से पंगु हो चुकी थी। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों के बीच संवाद का स्तर इतना गिर जाना कि फाइलें और फैसले एक-दूसरे को दरकिनार करके बढ़ने लगें, किसी भी लोकतांत्रिक संस्थान के पतन का शुरूआती लक्षण है।

इस प्रशासनिक संकट ने देश के राजनीतिक वातावरण को भी पूरी तरह से गर्मा दिया है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और बीजू जनता दल (बीजद) जैसे प्रमुख विपक्षी दलों ने इसे हाथों-हाथ लिया है और इसे सीधे तौर पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रणाली पर एक सुनियोजित हमला करार दिया है। विपक्ष का यह आरोप कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विपक्षी झुकाव वाले या संवेदनशील क्षेत्रों में मतदाताओं के नाम जानबूझकर काटने की प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहे थे, बेहद गंभीर है। यद्यपि ऐसे आरोपों के पीछे राजनीतिक नफा-नुकसान की गणित भी होती है, लेकिन चुनाव आयोग जैसी संस्था की ताकत इस बात में नहीं है कि वह आरोपों का जवाब कानूनी और तकनीकी स्पष्टीकरणों से दे, बल्कि इस बात में है कि उसका आचरण स्वयं 'संदेह से परे' (ईॅ८ङ्मल्ला उ्न४३) नजर आए। जब विपक्षी प्रतिनिधिमंडलों के साथ आयोग की बैठकों के बाद सोशल मीडिया पर राजनीतिक मुहावरों जैसी भाषा (॰बिना किसी चप्पा, बूथ जैमिंग और सोर्स जैमिंग के चुनाव॰) का इस्तेमाल किया जाने लगे, तो जनता के मन में यह संदेश जाता है कि निष्पक्ष अंपायर की भूमिका निभाने वाली संस्था खुद एक पक्ष बनती जा रही है।

आयोग ने अपनी साख को बचाने के लिए जो कदम उठाए हैं, वे स्वागत योग्य तो हैं, लेकिन वे इस बुनियादी बीमारी का इलाज नहीं हैं जो संस्था के भीतर घर कर गई है। यह विवाद इस बात की ओर भी ध्यान खींचता है कि भविष्य में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया कैसी होनी चाहिए। जब तक नियुक्ति प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और कार्यपालिका के प्रभाव से मुक्ति सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक ऐसे आंतरिक टकराव और उन पर उठने

# ताले के सामने खड़ा वह बच्चा आज भी याद करता है अशोक सिंघल का विश्वास...

-सुरेश गांधी

कभी-कभी इतिहास किताबों में नहीं मिलता। वह अचानक हमारे बचपन के किसी दृश्य में उतर आता है और फिर पूरी जिंदगी हमारे भीतर कहीं चुपचाप चलता रहता है। मेरे लिए अयोध्या ऐसा ही एक दृश्य है। मैं तब कक्षा चार का विद्यार्थी था। शिशु मंदिर की आठ विद्यालयों के बच्चों का एक शैक्षिक भ्रमण अयोध्या गया था। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र तिवारी के नेतृत्व में निकली उस यात्रा में दर्शन, ऐतिहासिक स्थल, विद्यालय और अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत देखने के बाद हम उस स्थान पर पहुंचे, जिसे तब राम जन्मभूमि के नाम से जानते थे। वहां एक ताला था। आज इतने वर्षों बाद भी उस दृश्य की स्मृति धुंधली नहीं हुई है। बचपन था, लेकिन संस्कार गहरे थे। देशभक्ति और धर्म के प्रति आस्था शिशु मंदिर के वातावरण में भीतर तक उतर चुकी थी। उस बंद दरवाजे को देखकर बालमन में आक्रोश उठा—ताला क्यों? इसे खोल क्यों नहीं दिया जाता?लेकिन उस दिन हाथ में कोई शक्ति नहीं थी। हमारे पास केवल आवाज थी। और फिर नारा लगा—बच्चा-बच्चा राम का, जन्मभूमि के काम का। संकल्प लिया गया—सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे।

हम बच्चे थे। इतिहास की जटिलता नहीं जानते थे। न्यायालय क्या होता है, प्रशासन कैसे निर्णय लेता है, आंदोलन कैसे आकार लेते हैं—इनमें से कुछ भी नहीं समझते थे। लेकिन उस दिन अयोध्या से लौटते हुए मन में एक भाव जरूर था—रामलला के दरवाजे का यह ताला एक दिन खुलेगा। फिर जिंदगी अपनी राह पर चल पड़ी। पत्रकारिता में आया। खबरों की दुनिया में देश-प्रदेश के असंख्य चेहरों से मिलने का अवसर मिला। लेकिन कुछ मुलाकातें रिपोर्ट से आगे बढ़कर स्मृति बन जाती हैं।अशोक सिंघल से मेरी ऐसी ही दो मुलाकातें हुईं। दोनों मुलाकातें भदोही के ज्ञानपुर क्षेत्र के कारीगांव निवासी ब्रह्मदेव उपाध्याय के यहां हुई थीं। उन दिनों उपाध्याय जी विश्वविद्यालय के कुलपति थे। आज वे वेस्टइंडीज में रह रहे हैं। अशोक सिंघल को सामने से सुनना अपने आप में अलग अनुभव था। वे घुमा-फिराकर बोलने वाले व्यक्ति नहीं थे। सवाल सीधा हो तो जवाब भी सीधा। शब्दों में राजनीतिक चतुराई की जगह विश्वास दिखाई देता था। राम जन्मभूमि के सवाल पर उनके भीतर संशय नहीं था।उनका विश्वास था—एक न एक दिन राम मंदिर बनेगा।लेकिन उनके कथन का दूसरा हिस्सा भी उतना ही महत्वपूर्ण

था—हिन्दू समाज को एकजुट होना होगा।

आज जन्मशती पर जब उन मुलाकातों को याद करता हूं तो लगता है कि वह केवल किसी आंदोलन के नेता से बातचीत नहीं थी। वह ऐसे व्यक्ति से संवाद था, जिसने अपने जीवन का एक बड़ा लक्ष्य तय कर लिया था और जिसकी आंखों में उस लक्ष्य के पूरा होने का विश्वास साफ दिखाई देता था। समय ने करवट ली। अयोध्या का प्रश्न आंदोलन बना। आंदोलन ने देश की राजनीति, समाज और सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया। इसके समर्थन और विरोध में अनेक स्वर उठे। अदालतों में मुकदमे चले। पीढ़ियां इस प्रश्न के साथ बड़ी हुईं। और फिर वह दिन भी आया जब राम जन्मभूमि का विवाद न्यायिक प्रक्रिया के निर्णायक पड़ावों से होकर आगे बढ़ा। 1986 में ताले खुलने की घटना को लेकर भी इतिहास में अलग-अलग राजनीतिक व्याख्याएं हैं। दस्तावेजी रूप से फैजाबाद के जिला जज के 1 फरवरी 1986 के आदेश के बाद ताले खोले गए और पूजा-दर्शन की अनुमति का रास्ता खुला। लेकिन उस दौर की राजनीति के भीतर क्या चल रहा था, इसे लेकर बाद के शोध और संस्मरण अलग-अलग विवरण देते हैं। पत्रकार नीरजा चौधरी के प्रकाशित शोध में अरुण नेहरू की भूमिका, राजीव गांधी से उनकी बातचीत और उत्तर प्रदेश सरकार के स्तर पर हुई गतिविधियों का उल्लेख है। उसी विवरण में अप्रैल 1986 में अशोक सिंघल से हुई बातचीत का भी जिक्र है, जिसमें उन्होंने निर्णय को ह्लऊपर सेह्व लिया गया बताया था।

इसलिए इतिहास को इतिहास की तरह ही रहने देना चाहिए—दावे अलग हो सकते हैं, दस्तावेज अलग-अलग पहलुओं पर रोशनी डाल सकते हैं, लेकिन अयोध्या की वह घटना भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक निर्णायक मोड़ बन गई। और फिर वर्षों बाद वह सपना, जिसे अशोक सिंघल जैसे लोगों ने अपना ध्येय बनाया था, राम मंदिर निर्माण के रूप में मूर्त रूप लेने की दिशा में पहुंचा। मेरी स्मृति में इस पूरी यात्रा की सबसे अद्भुत कड़ी कोई राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि वह छोटा-सा बच्चा है जो अयोध्या में बंद ताले को देखकर बेचैन हुआ था। वही बच्चा आज पत्रकार है। उसने बीच के वर्षों में आंदोलन देखे, संघर्ष देखे, अदालतें देखीं, राजनीति देखी और इतिहास को बदलते देखा।

आज अशोक सिंघल की जन्मशती पर पीछे मुड़कर देखता हूं तो उनसे हुई वे दोनों मुलाकातें फिर सामने खड़ी हो जाती हैं। उनकी बात याद आती है—मंदिर बनेगा। तब मैं केवल सुन रहा था। आज, जब अयोध्या में राम मंदिर का सपना साकार हो चुका है, उस विश्वास को एक अलग अर्थ में समझ पाता हूं। अशोक सिंघल की जन्मशती इसलिए भी स्मरण का अवसर है कि किसी लक्ष्य पर विश्वास केवल घोषणा नहीं होता। कभी-कभी वह दशकों तक चलने वाली यात्रा का पहला कदम होता है। और मेरे लिए उस यात्रा की शुरूआत शायद उसी दिन हो गई थी, जब कक्षा चार का एक बच्चा अयोध्या में एक बंद ताले के सामने खड़ा था।

उस बच्चे को तब मालूम नहीं था कि इतिहास क्या होता है। उसे सिर्फ इतना मालूम था— राम के द्वार पर ताला देखकर मन उदास है। और आज, दशकों बाद, उसी स्मृति के सामने खड़ा होकर लगता है— कुछ संकल्प उम्र के साथ पुराने नहीं होते। वे समय की परीक्षा से गुजरकर और गहरे हो जाते हैं। अशोक सिंघल ऐसे ही एक संकल्प के यात्री थे। और मैं? मैं उस यात्रा का एक छोटा-सा साक्षी हूं।

**अशोक सिंघल जन्मशती पर एक पत्रकार की स्मृति : अयोध्या के बंद दरवाजे से लेकर राम मंदिर के खुले द्वार तक की यात्रा, कक्षा चार का वह बच्चा, अयोध्या में बंद ताले के सामने खड़ा था। भीतर रामलला थे और बाहर हजारों वर्षों की आस्था का सवाल। तब न राजनीति समझ में आती थी, न इतिहास की पेचीदगियां। बस इतना समझ आता था कि जहां राम का जन्म हुआ, वहां ताला क्यों है? आज, अशोक सिंघल की जन्मशती पर पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है—वह बचपन का संकल्प ही शायद मेरी स्मृतियों में एक लंबी यात्रा की शुरूआत था।**

# खेतों के नीचे सूखता भारत

भारत की कृषि उपलब्धियों की चमक के पीछे एक गंभीर सच्चाई छिपी है—भूजल का तेजी से ह्रास। देश की सिंचाई का 78 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भूजल पर निर्भर है और कृषि क्षेत्र भूजल निकासी का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा अपने पास समेटे हुए है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्यों में भूजल निकासी वार्षिक रीचार्ज से कहीं अधिक हो गई है; पंजाब में तो यह दर 152 प्रतिशत तक पहुँच गई है। यह स्थिति न केवल दीर्घकालिक कृषि स्थिरता को खतरे में डाल रही है, बल्कि ग्रामीण असमानता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण जैसे गंभीर परिणाम भी पैदा कर रही है।

इस संकट की जड़ें संरचनात्मक नीतियों और प्रोत्साहनों में निहित हैं। हरित क्रांति के बाद से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकारी खरीद की गारंटी ने किसानों को गेहूं-धान की एकाधिकार खेती की ओर धकेला, खासकर पंजाब और हरियाणा में। धान जैसी जल-गहन फसलें, जो स्थानीय जलवायु के अनुकूल भी नहीं हैं, बड़े पैमाने पर उगाई जाने लगीं क्योंकि बाजार और नीतियां इन्हें पुरस्कृत करती रहीं। इसके साथ ही कृषि के लिए मुफ्त या भारी सब्सिडी वाली बिजली ने पंपिंग लागत को नगण्य बना दिया, जिससे किसानों के लिए अतिरिक्त भूजल निकालने की सीमांत लागत शून्य हो गई और अंधाधुंध निकासी को प्रोत्साहन मिला। ट्यूबवेल और निजी बोरवेल का तेज विस्तार, कमजोर विनियमन और सामुदायिक स्तर पर प्रबंधन की कमी ने इस स्थिति को और बिगाड़ दिया।

सिंचाई पद्धतियां भी समस्या को बढ़ावा देती हैं। परंपरागत बाढ़ सिंचाई आज भी व्यापक है, जिसमें पानी की बबार्दी अधिक और दक्षता कम होती है। माइक्रो-इरिगेशन (ड्रिप और स्प्रिंकलर) को बढ़ावा देने वाली योजनाएं मौजूद हैं, पर छोटे किसानों के लिए उच्च प्रारंभिक लागत और रखरखाव की चिंताएं अपनाने की दर को सीमित करती हैं। जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितता और मानसून की अनियमितता ने किसानों को भूजल पर और अधिक निर्भर बना दिया है।

इस संकट के परिणाम खेतों से कहीं अधिक व्यापक हैं। गिरते जल स्तर के कारण किसानों को गहरे बोरवेल लगाने और अधिक

-प्रियंका सौरभ

शक्तिशाली पंप स्थापित करने पड़ते हैं, जिससे सिंचाई की लागत बढ़ती है और छोटे व सीमांत किसान असमानुपातिक रूप से प्रभावित होते हैं। गहरे स्तर से पानी निकालने के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिससे जल-ऊर्जा संबंध और तंग होता है। पारिस्थितिक दृष्टि से अति-निकासी भूमि के धंसने, तटीय क्षेत्रों में लवणीयता के प्रवेश और जल गुणवत्ता के दीर्घकालिक क्षरण का जोखिम पैदा करती है। सामाजिक स्तर पर जल की कमी कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग के बीच तथा साझा नदी बेसिन वाले राज्यों के बीच संघर्ष को बढ़ावा देती है। आर्थिक रूप से सिंचाई की बढ़ती लागत खेत की लाभप्रदता को कम करती है।

इस चुनौती का समाधान केवल तकनीकी सुधारों से नहीं, बल्कि प्रोत्साहनों, संस्थानों और प्रथाओं को पारिस्थितिकीय सीमाओं के अनुरूप पुनर्संरेखित करने से ही संभव है। सबसे पहले, फसल विविधीकरण को नारे से रणनीति में बदलना होगा। पंजाब और हरियाणा में धान की खेती उसी तरह नहीं चल सकती जैसे बंगाल या असम में; मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी कम जल-गहन फसलों को समान बाजार गारंटी, प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे और मूल्य समर्थन के साथ बढ़ावा देना होगा। बिना आर्थिक व्यवहार्यता के विविधीकरण केवल कागज पर ही रहेगा। दूसरा, सिंचाई दक्षता का तेजी से विस्तार आवश्यक है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' घटक ने छोटे किसानों के लिए 55 प्रतिशत तक सब्सिडी के साथ ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणालियों को बढ़ावा दिया है, पर कवरेज अभी भी सीमित है। माइक्रो-इरिगेशन का विस्तार, धान में डायरेक्ट सीडेड राइस और ऑल्टरनेट वेटिंग एंड ड्राइंग जैसी जल-बचत प्रथाओं को अपनाना, और लेजर लैंड लेवलिंग में निवेश खेत के स्तर पर पानी के उपयोग को 30झ्र50 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

तीसरा, भूजल शासन को मजबूत करना होगा। पंचायतों और वॉटर-यूजर एसोसिएशन के माध्यम से सामुदायिक प्रबंधन, भागीदारीपूर्ण एक्विफर मैपिंग और स्थानीय जल बजटिंग के साथ, निकासी पर जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। अति-शोषित ब्लॉकों में नए बोरवेल के लिए अनुमति और बिजली कनेक्शन को सतत निकासी मानदंडों से जोड़ना जैसे विनियामक उपाय स्वैच्छिक प्रयासों के पूरक होने चाहिए। चौथा, सब्सिडी सुधार अपरिहार्य है। फ्लैट-रेट या मुफ्त बिजली से मीटर वाले वॉल्यूमेट्रिक मूल्य निर्धारण की ओर बढ़ना, साथ ही छोटे किसानों की सुरक्षा के लिए लक्षित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बबार्दी को रोकते हुए न्यायसंगत हो सकता है। कृषि सहायता योजनाओं में जल-उपयोग मानदंड शामिल करने चाहिए ताकि जल-कुशल फसलों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसानों को पुरस्कृत किया जा सके। अंत में, रीचार्ज और संयुक्त उपयोग का विस्तार आवश्यक है। वर्षा जल संचयन, चेक डैम, रीचार्ज शाफ्ट और वाटरशेड प्रबंधन प्राकृतिक पुनर्भरण को बढ़ा सकते हैं, जबकि नहर कमांड क्षेत्रों का विकास और सतह व भूजल के संयुक्त उपयोग को बढ़ावा देना एक्विफर पर अत्यधिक निर्भरता को कम कर सकता है। भारत एक चौराहे पर खड़ा हैः या तो वह अल्पकालिक उपज के लिए भूजल का दोहन जारी रखे, या कृषि को पारिस्थितिकीय वास्तविकता के अनुरूप ढाले। वर्तमान रास्ता ग्रामीण संकट को गहराएगा, असमानता बढ़ाएगा और खाद्य सुरक्षा को कमजोर करेगा। विविधीकृत फसलें, कुशल सिंचाई, सुधारे गए प्रोत्साहन और सामुदायिक नेतृत्व वाला शासन—यह वैकल्पिक मार्ग सतत कृषि समृद्धि की ओर ले जाता है। भूजल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि पीढ़ियों की पूंजी है; आज इसका प्रबंधन कैसे किया जाता है, यह तय करेगा कि क्या भारत के खेत उपजाऊ बने रहेंगे या अतीत की यादगार बनकर रह जाएंगे।

# ठाणे में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, अभिनेत्री गिरफ्तार; दो अभिनेत्रियां रेस्क्यू

**◆श्रीनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में क्राइम ब्रांच की कार्रवाई; हिंदी सीरियल, फिल्म और वेबसीरीज में काम करने वाली युवतियों को ग्राहकों तक पहुंचाने का आरोप**

**ठाणे (उत्तरशक्ति)।** ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय की अनैतिक मानव वाहतूक शाखा ने गुप्त सूचना के आधार पर वागले एस्टेट स्थित साईं टच होटल के पास कार्रवाई करते हुए कथित सेक्स रैकेट का पदार्फाश किया। पुलिस ने इस मामले में एक महिला अभिनेत्री को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य अभिनेत्रियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि मुंबई में रहने वाली एक अभिनेत्री, जो हिंदी सीरियल, फिल्मों और वेबसीरीज में काम करती है, ग्राहकों के लिए लड़कियों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साईं टच होटल के पास आने वाली है। इसके बाद पुलिस टीम ने बोगस ग्राहक और पंच की मदद से जाल बिछाया और संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान दो अन्य युवतियों को भी रेस्क्यू किया गया। जांच के मुताबिक, गिरफ्तार महिला अभिनेत्री पर आरोप है कि वह हिंदी एवं भोजपुरी सीरियल, फिल्मों, वेबसीरीज, वीडियो सॉन्ग और मॉडलिंग से जुड़ी अभिनेत्रियों की तस्वीरें ग्राहकों को भेजकर उन्हें देह व्यापार के लिए उपलब्ध कराती थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में उसके साथ और कौन-कौन लोग

जुड़े हुए हैं। कई प्रोजेक्ट्स में काम करने का दावा

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला और रेस्क्यू की गई युवतियों के बारे में बताया गया है कि उन्होंने विभिन्न हिंदी एवं भोजपुरी सीरियल, फिल्मों, वेबसीरीज, वीडियो सॉन्ग और मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स में काम किया है। पुलिस के सामने जिन प्रोजेक्ट्स के नाम बताए गए हैं, उनमें द अनवांटेड गिफ्ट, जिला ग्रिडी, बंद दरवाजा, तू देख मेरी फोटो, बिजली, नौकर नंबर 1, घूंघट, दो दिन का मेहमान, छू ले जरा, सावधान इंडिया, सौदा, पिनी लस्सी, टाइम पास, तलब और पहरेदार अगेन सहित अन्य प्रोजेक्ट शामिल बताए गए हैं। हालांकि, इन प्रोजेक्ट्स में संबंधित अभिनेत्रियों की भूमिका और उनके काम से जुड़े दावों की स्वतंत्र पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

नेटवर्क को लेकर जांच जारी क्राइम ब्रांच अब यह पता लगा रही है कि गिरफ्तार महिला के साथ इस कथित नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि रेस्क्यू की गई दो युवतियों के अलावा अन्य कितनी महिलाओं को कथित तौर पर ग्राहकों के संपर्क में लाया गया था। पुलिस संबंधित अभिनेत्रियों के पूर्व काम और प्रोजेक्ट्स से जुड़े दावों की भी जांच कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मामले में किसी अन्य आपराधिक गतिविधि का संबंध है या नहीं। पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता बीएनएस और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम पीटा की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रेस्क्यू की गई दोनों युवतियों को सुरक्षित महिला सुधारगृह/सुरक्षित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया भी की जा रही है।

यह कार्रवाई ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों, क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमर सिंह जाधव, और एसीपी मदन बल्लाळ के मार्गदर्शन में अनैतिक मानव वाहतूक शाखा की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अंजली आंधळे, एपीआई स्नेहल शिंदे, पीएस आई दीक्षा ढाकरे, एएसआई विजय पाटील, एचसी राजेश सुवारे सहित पुलिस टीम द्वारा की गई।

## प्रसिद्ध हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर राहुल शर्मा के दवाखाना उदघाटन में संतों का आगमन

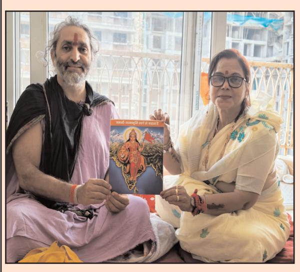

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** बद्रीनाथ से पधारे संत श्री बालक योगेश्वर दास महाराज एवं प्रख्यात कथा वाचक श्री मृदुल बिहारी महाराज के शहर आगमन से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। दोनों संत शहर के प्रसिद्ध हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर राहुल शर्मा के यहां आयोजित डिस्पेंसरी के उद्घाटन कार्यक्रम में विशेष रूप से पधारे थे। दवाखाने का उद्घाटन कल्याण के शहाड में धार्मिक वातावरण में विधिवत पूजा अर्चना के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं और शुभचिंतकों ने संतों का दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। संतों के आगमन से पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने उनके सान्निध्य को अपने लिए सौभाग्य का अवसर बताया। इसी कड़ी में ह्यक्राइम पॉइंटह्ण की प्रधान संपादक श्रीमती कमलेश गुप्ता ने भी संत श्री बालक योगेश्वर दास महाराज एवं प्रख्यात कथा वाचक श्री मृदुल बिहारी महाराज से भेंट की। उन्होंने संतों का श्रद्धापूर्वक आशीर्वाद लिया और धार्मिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर उनसे आत्मीय संवाद किया। संतों ने भी उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए समाज में सेवा, सद्भाव, संस्कार और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉक्टर राहुल शर्मा ने संतों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि संतों का सान्निध्य मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। डिस्पेंसरी उद्घाटन के अवसर पर संतों की उपस्थिति से कार्यक्रम का महत्व और भी बढ़ गया। श्रद्धालुओं ने संतों से आशीर्वाद लेकर उनके स्वस्थ, सुखी और मंगलमय जीवन के लिए दिए गए संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

## गणेश विसर्जन स्थल पर महिला को आई चक्कर, नागरी सुरक्षा दल के स्वयंसेवकों ने दी तत्काल मदद

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** अनंत चतुर्दशी के अवसर पर रविवार 25 सितंबर 2026 को पालघर के गणेशकुंड विसर्जन स्थल पर तैनात नागरी सुरक्षा दल के स्वयंसेवकों की तत्परता से एक महिला को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सका। विसर्जन स्थल पर अचानक चक्कर आने के बाद महिला की हालत बिगड़ती देख स्वयंसेवकों ने तत्काल सहायता करते हुए उसे प्राथमिक उपचार केंद्र तक पहुंचाया।

बतादें कि गणेश विसर्जन के मद्देनजर नागरी सुरक्षा दल की ओर से गणेशकुंड विसर्जन स्थल पर प्रथमोपचार केंद्र (बूथ) स्थापित किया गया था। नागरी सुरक्षा दल के उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा विभागीय क्षेत्ररक्षक निलेश वझे के नेतृत्व में स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई गई थी। रात करीब 10 बजे एक महिला को अचानक चक्कर आने की जानकारी स्वयंसेवकों को मिली। दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी (क्छड) प्रिया पाटील तथा नागरी सुरक्षा स्वयंसेवक वैभव पाटील ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर महिला की मदद की और उसे प्रथमोपचार केंद्र तक पहुंचाया। यहां प्रिया पाटील ने महिला की प्राथमिक जांच कर आवश्यक प्राथमिक उपचार किया। इस दौरान अन्य स्वयंसेवकों ने भी सहायता करते हुए स्थिति को संभाला। गणेश विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नागरी सुरक्षा दल के स्वयंसेवक पूरे समय प्रथमोपचार केंद्र पर तैनात रहे। स्वयंसेवकों की इस तत्परता से महिला को समय पर सहायता मिलने पर उपस्थित नागरिकों ने उनके कार्य की सराहना की। इस दौरान उपस्थित पुलिस निरीक्षक यतीश देशमुख ने भी नागरी सुरक्षा दल के स्वयंसेवकों की तत्परता और सेवाभाव की सराहना की।

## बेटेगांव में मनसे कार्यकताओं ने चलाया गणपति विसर्जन घाट स्वच्छता अभियान

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे), मनसे विद्यार्थी सेना एवं मनसे महिला सेना, बेटेगांव (मान विभाग) की ओर से रविवार 27 सितंबर 2026 को बेटेगांव स्थित गणपति विसर्जन घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। गणेश विसर्जन के बाद घाट परिसर में जमा कचरे की सफाई कर कार्यकताओं ने स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर मनसे पालघर उपतालुका अध्यक्ष एड. सत्यम मिथिलेश मिश्रा, मनसे विद्यार्थी सेना विभागाध्यक्ष वेद संतोष चव्हाण, मान शाखाध्यक्ष सागर बसवत तथा महिला सेना की तुलसी संतोष चव्हाण सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान में चंद्रहास आइड, धैर्य माली, सुधांशु यादव, स्मित पाटील, मृणाली राऊत, शिवाजी लोखंडे, सुप्रिया खेडकर, नागनाथ पाटील, ओंकार पवार, आशुतोष पवार और प्रसाद काले ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यकताओं ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गणपति विसर्जन घाट परिसर की सफाई की। इस दौरान ह्यस्वच्छता ही सच्ची सेवा हैह्ण के संदेश के साथ सभी ने उत्स्फूर्त रूप से अभियान में भाग लिया और स्वच्छ एवं सुंदर विसर्जन स्थल बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।

**मुंबई प्रदेश टाइगर ग्रुप के अध्यक्ष संजय भाऊ खंडागले के नेतृत्व वाली संस्था द्वारा घाटकोपर तालुका अध्यक्ष राहुल पवार द्वारा गणपति विसर्जन के अवसर पर बड़े पैमाने पर वड़ा पाव वितरण का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें टाइगर ग्रुप के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।**

## 1,08,00,000 श्री नवकार महामंत्र सामूहिक जाप की भव्य पूणार्हुति

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** श्री प्रगट प्रभावी श्री चंद्रप्रभ स्वामी जैन देरासरजी, प्रार्थना समाज, मुंबई में अध्यात्म, भक्ति एवं मंत्रसाधना के पावन संगम के रूप में 1,08,00,000 (एक करोड़ आठ लाख) श्री नवकार महामंत्र सामूहिक जाप की भव्य पूणार्हुति के उपलक्ष्य में श्री नवकार महामंत्र गुणगान, अनुष्ठान पूणार्हुति तथा भावपूर्ण बहुमान समारोह का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं भाविक भक्तों ने सहभागी होकर नवकार महामंत्र की सामूहिक आराधना का लाभ लिया। इस पावन अवसर पर संयम सम्राट एवं प्रसिद्ध प्रवचनकार प.पू. आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूरीश्वरजी म.सा., प.पू. मुनिराज श्री महाप्रभविजयजी म. तथा प.पू. मुनिराज श्री श्रीप्रभविजयजी म., सहित प.पू. साध्वीजी श्री तत्त्वदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। गुरु भगवंतों के मंगलमय सान्निध्य एवं आशीर्वाद से पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। श्री नवकार महामंत्र जैन धर्म की परम पवित्र आध्यात्मिक साधना का प्रतीक है। करोड़ों मंत्र जाप की इस सामूहिक आराधना में श्रद्धालुओं ने

भक्तिभाव से सहभागी होकर नवकार महामंत्र के जाप के माध्यम से आध्यात्मिक शांति एवं ऊर्जा का अनुभव किया। भव्य अनुष्ठान की पूणार्हुति के अवसर पर नवकार महामंत्र के महात्म्य एवं गुणों का गुणगान किया गया। श्रद्धालुओं ने भावपूर्वक आराधना करते हुए सामूहिक जाप में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रार्थना समाज का पूरा परिसर नवकार महामंत्र की भक्तिध्वनि से गूंज उठा।

इस पावन अवसर पर सामूहिक जाप में सहभागी बने साधकों, भाविकों तथा विभिन्न रूपों में अपना योगदान देने वाले भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं का भावपूर्ण बहुमान किया गया। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष संजय जीवनलाल शाह तथा जैन अल्पसंख्यक सेवा संस्थान की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्पा संजय शाह सहित ट्रस्टियों द्वारा श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का बहुमान किया गया। वहीं श्री चंद्रप्रभ स्वामी जैन देरासरजी के ट्रस्टियों द्वारा भी भाविकों एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जेसर निवासी मुकेशभाई मगनलाल दोशी परिवार भी सहभागी बना तथा श्रीमती हषार्बेन मुकेशभाई दोशी ने बहुमान का लाभ लिया। इस अवसर पर जयेशभाई लब्धी, संजय बिपिनचंद्र शाह, विलासभाई शाह, श्रेणिकभाई शाह, शिल्पाबेन लब्धी, श्रीमती अल्पाबेन संजय शाह, कौशलकुमार, क्रीना बहन, धनवीर, अंकितकुमार, ध्वनीबेन, अशेष, दिव्यान सहित समाज के अनेक अग्रणी, श्रावक श्राविकाएं एवं भाविक भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। 1,08,00,000 नवकार महामंत्र जाप की पूणार्हुति का यह पावन प्रसंग समस्त जैन समाज के लिए श्रद्धा, साधना एवं आध्यात्मिक प्रेरणा से परिपूर्ण एक यादगार अवसर बनकर रहा।

## सांसद के नेतृत्व में सागरी भूमिपुत्र महासंघ के गठन को प्रमुख सामाजिक व किसान संगठनों का समर्थन

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** सागरी भूमिपुत्रों की एकजुटता और उनके सामाजिक, शैक्षणिक तथा स्थानीय अधिकारों के मुद्दों को मजबूती से उठाने के उद्देश्य से गठित सागरी भूमिपुत्र महासंघ को ठाणे, पालघर, रायगढ़, मुंबई और नवी मुंबई क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक एवं किसान संगठनों का समर्थन मिला है। महासंघ के गठन में आगरी सामाजिक विकास संस्था, वाघबील (ठाणे), शेतकरी संघटना, बालकुम (ठाणे), सर्वपक्षीय युवा मोर्चा, डोंबिवली, गावदेवी शेतकरी संघटना, अंजूर-दिवे, आगरी-कोली साहित्य परिषद, भूमिपुत्र फाउंडेशन, वसई, आगरी एकता संघटना, मीरा-भायंदर, उरण सामाजिक संस्था,

उरण, 27 गांव संघर्ष समिति, रायगढ़, शिवक्रांति मावला, रायगढ़, शिवराज्य प्रतिष्ठान, रायगढ़, स्थानीय प्रकल्पग्रस्त संघटना, उलवे, आगरी समाज विकास संस्था, चुनाभट्टी (मुंबई) तथा भूमिपुत्र संघ, मुंबई उपनगर सहित प्रमुख संगठनों ने सहभागिता दर्ज कराई है। महासंघ का उद्देश्य आगरी, कोली, कराडी, कुणबी, आदिवासी, भंडारी और बारा बलुतेदार समाज सहित विभिन्न स्थानीय समुदायों को एक मंच पर लाकर भूमिपुत्रों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और स्थानीय हक-अधिकारों से जुड़े मुद्दों को सामूहिक रूप से उठाना है। संगठन से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय संगठनों के एक मंच पर आने से भूमिपुत्रों से संबंधित समस्याओं को व्यापक स्तर पर रखने के लिए मजबूत समन्वय स्थापित होगा। महासंघ में ठाणे, पालघर, रायगढ़, मुंबई और आसपास के सागरी क्षेत्रों से जुड़े सामाजिक कार्यकताओं, संगठनों और स्थानीय संस्थाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसला यात्री, रेलवे पुलिसकर्मी ने बचाई जान

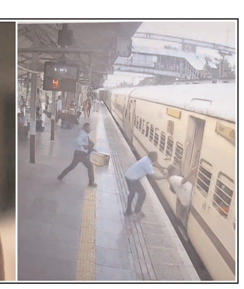

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** रेलवे यात्रा के दौरान एक बार फिर सुरक्षा नियमों की अनदेखी किस तरह जानलेवा साबित हो सकती है, इसका मामला सामने आया। पालघर रेलवे पुलिस स्टेशन में पुलिस कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत परमेश्वर उत्तमराव शेलके (ढउ 1348) ने अपनी ड्यूटी पर जाते समय तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहे एक यात्री की जान बचा ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार 25 सितंबर 2026 को कॉन्स्टेबल परमेश्वर शेलके की ड्यूटी केलवे रोड रेलवे स्टेशन पर सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक निर्धारित थी। ड्यूटी के लिए पालघर से केलवे रोड जाते समय वे रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। इसी दौरान सूरत से विरार की ओर जा रही यात्री ट्रेन में एक यात्री ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया। ट्रेन में चढ़ते समय अचानक यात्री का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिरने की स्थिति में पहुंच गया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए कॉन्स्टेबल परमेश्वर शेलके ने बिना समय गंवाए तत्काल यात्री को संभाल लिया और उसे संभावित गंभीर हादसे का शिकार होने से बचा लिया। शेलके की इस तत्परता के कारण यात्री सुरक्षित बच गया। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है। रेलवे पुलिस की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें। यात्रा के दौरान ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर जोखिम न लें। रेलवे पटरियों को पार करने के बजाय हमेशा फुटओवर ब्रिज अथवा निर्धारित सुरक्षित मार्ग का उपयोग करें। कॉन्स्टेबल परमेश्वर उत्तमराव शेलके की तत्परता ने एक यात्री को संभावित दुर्घटना से बचा लिया, लेकिन रेलवे हादसों से बचाव के लिए यात्रियों की सावधानी और सुरक्षा नियमों का पालन सबसे महत्वपूर्ण है।

## शिवतेज मित्र मंडल ने धूमधाम से किया गणपति बप्पा का विसर्जन

**गणेश विसर्जन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, बेटेगांव में विधि-विधान से दी गई विदाई**

**पहला समाचार संवाददाता**

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर स्थित शिव मंदिरझशीतला माता मंदिर परिसर में शिवतेज मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में गणेशोत्सव का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन किया गया। संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट के विशेष सहयोग से आयोजित गणेश विसर्जन समारोह में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

मंडल की ओर से भगवान श्रीगणेश की 11 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। इसके बाद 12वें दिन रविवार को ढोल-ताशों और भक्तिमय माहौल के बीच गणपति बप्पा की भव्य विसर्जन यात्रा निकाली गई। धर्मनगरी आजाद नगर से निकली विसर्जन यात्रा बेटेगांव स्थित विसर्जन स्थल पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण माहौल में गणराया को विदाई दी। विसर्जन यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवा श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग पर 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीगणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य अतिथियों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस दौरान जगदीश धोड़ी, संजय पाटील, अशोक वड़े, मुकेश पाटील, आनंद धोड़ी, सुरेश साहनी, विक्रांत केवट, राजीव रंजन सिंह, संतोष साहनी, आनंद महतो, राजू यादव, दिलीप सिंह, आनंद परंडवाल, सुनील लांडे, संजय मास्टर, सर्वेश सिंह, शिवाजी कदम, संजय बावरे मराठा, शिव कुमार सिंह, सुमित सिंह, कुंदन ओझा, शैलेंद्र माझी, राजू पाठक, राकेश राय, संगीता जायसवाल, केशव यादव, मूरत सिंह, बजरंग राय, मनोज पाल, मुनीम भाई, सुरेश पाण्डेय, धर्मेंद्र शाह, पंडित जीतू, के.बी. राय, जीतू सिंह, शंकर सैनी, पवन यादव, नीलगम, गणेश सिंह चौहान एवं सूर्यनारायण चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के चरणों में शीश झुकाकर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, कार्यकताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए अगले वर्ष भी इसी उत्साह और भव्यता के साथ गणेशोत्सव मनाने का संकल्प लिया।

## उत्तन से चेना तक गणेश विसर्जन घाटों का निरीक्षण, स्नेहा शैलेश पांडे ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र के राज्य उत्सव श्री गणेशोत्सव के अवसर पर मीरा-भायंदर महानगरपालिका की सांस्कृतिक समिति की सभापति स्नेहा शैलेश पांडे ने उत्तन से चेना तक विभिन्न श्री गणपति विसर्जन घाटों, कृत्रिम तालाबों तथा विसर्जन व्यवस्था का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। स्नेहा पांडे ने डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन, गौरी-गणपति विसर्जन, सातवें दिन तथा अनंत चतुर्दशी सहित विभिन्न विसर्जन दिवसों पर उत्तन, मोरवा, राई, मूर्धा, नेताजी सुभाषचंद्र मैदान, मांडवी तालाब, भायंदर पश्चिम कृत्रिम तालाब, भायंदर पश्चिम खाड़ी, जेसल पार्क चौपाटी कृत्रिम तालाब एवं खाड़ी, नवघर तालाब, गोडदेव तालाब, स्वर्गीय प्रमोद महाजन स्वीमिंग पूल कृत्रिम तालाब, शिवर गार्डन स्वीमिंग पूल कृत्रिम तालाब, पेंकरपाड़ा तालाब,

काशीमीरा जरीमरी तालाब, घोड़बंदर, रेतीबंदर कृत्रिम तालाब एवं खाड़ी तथा चेना गांव कृत्रिम तालाब और चेना नदी विसर्जन घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर तैनात मनपा के बांधकाम, आरोग्य, अग्निशमन, सुरक्षा, वन विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा पुलिस प्रशासन से मुलाकात कर विसर्जन व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने आवश्यक सुझाव भी दिए तथा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू विसर्जन व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। सांस्कृतिक समिति सभापति स्नेहा शैलेश पांडे ने कहा कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष विसर्जन घाटों और कृत्रिम तालाबों पर बेहतर व्यवस्था देखने को मिली। श्री गणपति बप्पा के भक्तों की आस्था, सेवा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विसर्जन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों ने समन्वय के साथ कार्य किया।


**उत्तरशक्ति**

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

**पत्राचार कार्यालय:**

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

**स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

**पत्राचार कार्यालयः** मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

# घर में विवाद के बाद पति पर तेजाब डालने का आरोप, पत्नी गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गंभीरपुर थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच विवाद के दौरान पति के प्राइवेट पार्ट पर तेजाब डालने के आरोप में पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तेजाब की एक बोतल भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, कोहड़ौरा निवासी मुकेश पाण्डेय पुत्र जगरनाथ पाण्डेय ने 26 सितंबर 2026 को अपनी पत्नी के खिलाफ थाने में प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप है कि ससुराल में किसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान पत्नी ने उसके प्राइवेट पार्ट पर तेजाब डाल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना गंभीरपुर में मु0अ0सं0 233/2026 के तहत धारा 124(1) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गंभीरपुर पुलिस ने 27 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 1:20 बजे आरोपी महिला को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार महिला की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तेजाब की एक बोतल बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्ता को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार त्रिपाठी, कांस्टेबल दुर्गेश राय, रिजर्व कांस्टेबल सौरभ कुमार तथा रिजर्व महिला कांस्टेबल रागिनी गौड़ शामिल रहीं।

# देर रात डीएम का औचक निरीक्षण, जलभराव से लेकर गोमती के जलस्तर तक लिया जायजा

## भारी बारिश के बीच शहर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, जर्जर भवनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारी वर्षा के मद्देनजर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने देर रात शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर जलभराव, जल निकासी, गोमती नदी के जलस्तर, साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को बारिश के चलते उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट, पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, हनुमान मंदिर के समीप, पॉलिटेक्निक चौराहा, बदलापुर पड़ाव, ओलन्दगंज स्थित राजा साहब की बिल्डिंग तथा गोमती नदी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने जल निकासी व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर में चिन्हित जर्जर भवनों की स्थिति का भी जायजा लिया। अधिशासी अधिकारी को जर्जर भवनों के संबंध में तत्काल नोटिस जारी कर विधिक प्रक्रिया के तहत सुरक्षित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जल्द पूरी कराने को कहा। साथ ही ऐसे भवनों में रह रहे लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने गोमती नदी के जलस्तर का भी निरीक्षण किया। रात्रि भ्रमण के दौरान नदी का जलस्तर सामान्य स्थिति में पाया गया। वहीं शहर के कुछ स्थानों पर साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए नगर पालिका के अधिकारियों को व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी दुर्गा पूजा पर्व के मद्देनजर शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने को कहा। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे आवारा पशुओं को लेकर भी जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवारा पशुओं को तत्काल पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# विराट गणपति महोत्सव का 26वां वर्ष धूमधाम से संपन्न

## प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सहित विद्वान पंडितों का हुआ सम्मान

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। श्री गणपति जी सदा सहाय फाउंडेशन, करेलाबाग कॉलोनी, प्रयागराज की ओर से आयोजित विराट गणपति महोत्सव का 26वां वर्ष शुक्रवार को धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। 14 सितंबर से 25 सितंबर तक चले महोत्सव में दिव्य यज्ञ-हवन, आरती, पूजा-वंदना, गणपति जन्मोत्सव और शिवनृत्य नाटिका सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महोत्सव के शुभारंभ पर भगवान गणपति की विराट प्रतिमा की स्थापना 11 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक विधि-विधान से कराई गई। फाउंडेशन के अध्यक्ष अखिलेश सहाय शास्त्री एवं कार्यक्रम संयोजिका प्रीति सहाय के नेतृत्व में भगवान गणपति को 1011 लड्डू और 1011 मोदक का भोग अर्पित किया गया।

महोत्सव के अंतिम दिन यज्ञ-हवन एवं विधि-विधान के साथ गणपति पूजा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर पूजा-विधि एवं शास्त्रों के विद्वान पंडित उदित त्रिपाठी, पंडित अनुराग तिवारी, पंडित तरुण पांडे, पंडित हर्ष मिश्रा, पंडित प्रेम सागर एवं पंडित जयप्रकाश के साथ विश्वविख्यात अंतरराष्ट्रीय कलाकार एवं राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा को सम्मानित किया गया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष अखिलेश सहाय शास्त्री ने सभी अतिथियों एवं कलाकारों का पुष्पहार, अंगवस्त्र, शिव पट्टिका, गणपति पुस्तिका एवं मिष्ठान भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग देने वाले संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के अथक परिश्रम से गणपति महोत्सव का यह भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। साथ ही उन्होंने बड़ी संख्या में पंडाल में पहुंचकर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करने वाले भक्तजनों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से लोगों के जीवन में आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

# होटल-रेस्टोरेंटों पर खाद्य विभाग का विशेष अभियान, 9 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा होटल, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड रिटेल चेन, ढाबा एवं अन्य इटरीज के निरीक्षण के लिए चलाए जा रहे

विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत 24 से 25 सितंबर तक जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों विनोद कुमार यादव, अपराजिता तिवारी एवं अंजू यादव की टीम ने कुल 9 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए कुल 5 नमूने संग्रहित किए गए, जबकि निरीक्षण में मिली कमियों को सुधारने के लिए 6 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया।

अभियान के दौरान हुसेनाबाद टीडी कॉलेज रोड स्थित डोमिनोज, टीडी कॉलेज रोड स्थित रघुवंशी रेस्टोरेंट, होटल रघुवंशी इन के रेस्टोरेंट, आजमगढ़ रोड वाजिदपुर स्थित रेडचिली रेस्टोरेंट, रूधौली शाहगंज स्थित आशीर्वाद फैमिली रेस्टोरेंट तथा शाहगंज स्थित एप्पल ढाबा एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। इनमें पाई गई कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक निर्देश और नोटिस जारी किए गए।

ऑनलाइन शिकायतों के निस्तारण के क्रम में सुरेरी थाना क्षेत्र के करौंदीकला स्थित श्री श्यामलाल पटेल की मिठाई की दुकान से बेसन लड्डू और छेना मिठाई के एक-एक नमूने लिए गए। कजगांव मोड़ स्थित यादव मिष्ठान भंडार से पेड़ा का एक नमूना तथा कटघरा स्थित श्रीराम स्वीट्स से पनीर और दूध बर्फी के एक-एक नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए।

विभाग के अनुसार नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा संबंधित विनियमावली 2011 के तहत नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रतिष्ठानों को इन नियमों का पालन करने के निर्देश

विभाग ने जनपद के सभी होटल, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड चेन, ढाबा एवं अन्य इटरीज संचालकों को कर्मचारियों के लिए हेडकैप, एप्रन और ग्लव्स का प्रयोग अनिवार्य रूप से कराने को कहा है। कर्मचारियों के छह माह के भीतर के अद्यतन चिकित्सा प्रमाण-पत्र रखने, इस्तेमाल होने वाले पानी की आईएसओ 10500 मानक के अनुसार जांच रिपोर्ट, पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र तथा ढक्कनदार डस्टबिन की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा कच्चे खाद्य पदार्थ और बर्तन धोने के लिए अलग-अलग सिंक/स्थान, कच्चे खाद्य पदार्थों के स्टॉक रजिस्टर व खरीद के बिल, ग्राहकों को दिए जाने वाले कैशमेमो पर खाद्य अनुज्ञप्ति/पंजीकरण संख्या तथा किचन में वेज और नॉनवेज सेक्शन का स्पष्ट विभाजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

# सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अभ्यास ही असली कुंजी: प्रो.आर.के. सिंह

## पीयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में रविवार को आर्यभट्ट सभागार में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की संख्या से नहीं, बल्कि वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उनके आचरण, ज्ञान और सामाजिक योगदान से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मित होती है। विद्यार्थी जब अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के बल पर जीवन में सफलता अर्जित करते हैं, तो उससे न केवल उनका परिवार और समाज गौरवान्वित होता है, बल्कि उनके शिक्षण संस्थान का नाम भी रोशन होता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। यह एक नई यात्रा की शुरूआत है, जहां विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व को निरंतर विकसित करना है। इंजीनियरिंग जैसे व्यावहारिक एवं तकनीकी विषय में सफलता प्राप्त करने के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला में अभ्यास, तकनीकी दक्षता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए 'पीपीपी मॉडल' यानी 'प्रैक्टिस, प्रैक्टिस और केवल प्रैक्टिस' का सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही किसी व्यक्ति को अपने कार्य में दक्ष बनाता है। केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को व्यवहार में उतारना और बार-बार अभ्यास के माध्यम से उसमें निपुणता हासिल करना जरूरी है। अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियों को सुधारने का अवसर मिलता है और कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी कमजोरियों को पहचानें, उनसे घबराने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। असफलता को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और प्रत्येक चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में स्वीकार करें। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को बदलती तकनीक और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्ष से जुड़ा प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और संघर्ष ही व्यक्ति को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ बनाता है।

कार्यक्रम में डा. लक्ष्मी मौर्य एवं शिवांग सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सत्यम उपाध्याय, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. श्वेता सिंह, शरद चन्द्र और धर्मेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## बोलेरो की टक्कर से बच्चे की मौत, साथी सुरक्षित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र में जनहित कॉलेज के सामने शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 11 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसे में उसके साथ बाइक पर सवार 12 वर्षीय साथी सुरक्षित बच गया। बताया गया कि दोनों बच्चे बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान जनहित कॉलेज के सामने तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों बच्चे सड़क पर गिर पड़े। हादसे में सूरज (11) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी विवेक (12) सुरक्षित बताया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस दुर्घटना के कारणों और बोलेरो चालक के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

## हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध की रोकथाम एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बरसठी पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थाना बरसठी में दर्ज मुकदमा संख्या 368/2026 की धारा 115(2), 352, 351(3) व 109 बीएनएस में वांछित आरोपी विवेक कुमार गौतम पुत्र अशोक कुमार गौतम निवासी बड़ेरी, थाना बरसठी को मुखबिर की सूचना पर बड़ेरी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी का चालान न्यायालय भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपीः विवेक कुमार गौतम पुत्र अशोक कुमार गौतम, निवासी ग्राम बड़ेरी, थाना बरसठी, जनपद जौनपुर।

## छेड़खानी व पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं थाना पुलिस ने छेड़खानी एवं पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना मड़ियाहूं में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 375/2026, धारा 74/351(2) बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित आरोपी सामू उर्फ सरवन कुमार पुत्र गोवा उर्फ भुवालाल निवासी कादीपुर हिनौती, थाना मड़ियाहूं, जौनपुर को पुलिस टीम ने 26 सितंबर 2026 को मड़ियाहूं स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी का चालान न्यायालय भेज दिया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक गिरीशचन्द्र यादव, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र बिन्द तथा रिजर्व कांस्टेबल अजीत खरवार शामिल रहे।

## डम्पर धंसने से मछलीशहर-जमालपुर-मड़ियाहूं मार्ग पर लगा भीषण जाम, राहगीर परेशान

**अरशद अली**

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर से जमालपुर होते हुए मड़ियाहूं जाने वाले मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक डम्पर सड़क के बीचों-बीच धंस गया। डम्पर का पहिया सड़क में धंसने से मार्ग का एक बड़ा हिस्सा बाधित हो गया, जिसके चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने डम्पर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि हादसे में किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद डम्पर को सड़क से हटवाया गया। डम्पर हटाए जाने के बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हुई और राहगीरों ने राहत की सांस ली।

# मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग, डॉ. रागिनी सोनकर ने उठाए एसआईआर पर सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के निलंबन और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की। शनिवार को बातचीत के दौरान डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि मतदाता सूची और वोट के अधिकार को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है। उनके मुताबिक, इन मामलों की जांच के लिए समिति गठित की जानी चाहिए।

उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की मांग और जयंत चौधरी को मुख्यमंत्री के लिए उपयुक्त बताए जाने के मुद्दे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नेताओं को वोट के अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े सवालों पर भी अपना स्पष्ट रुख रखना चाहिए।

डॉ. रागिनी सोनकर ने अखिलेश यादव की रायबरेली से शुरू हुई पीडीए पदयात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी आरक्षण और सामाजिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी बात जनता के बीच रख रही है।

प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर उन्होंने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने सुरेरी थाना प्रकरण का उल्लेख करते हुए पुलिस व्यवस्था और भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों पर भी चिंता जताई। साथ ही चंदौली में सब्जी विक्रेताओं से कथित दुर्व्यवहार और मछलीशहर में महिला से दुष्कर्म के मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

# रिटर्न टू प्ले आफ्टर एसीएल रिकंस्ट्रक्शन पर निःशुल्क वेबिनार आयोजित

## चिकित्सकों ने साझा किए खेल चोटों से बचाव और फिजियोथेरेपी से जुड़े अनुभव

**जितेन्द्र कन्नौजिया**

चंदवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय बाजार स्थित सत्कार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सेंटर पर रविवार को ऑल इंडिया अलायड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में 'रिटर्न टू प्ले आफ्टर एसीएल रिकंस्ट्रक्शन' विषय पर निःशुल्क वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में चिकित्सकों ने खेल के दौरान होने वाली चोटों, उनके उपचार तथा फिजियोथेरेपी की उपयोगिता से जुड़े अपने चिकित्सकीय अनुभव साझा किए।

वेबिनार की मुख्य वक्ता ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एवं रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की पूर्व फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मयूरी सक्सेना रहीं। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निःशुल्क वेबिनार के माध्यम से देशभर के लगभग 200 चिकित्सकों एवं आमजन को जोड़कर दैनिक जीवन में आने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव और उनमें फिजियोथेरेपी की भूमिका के बारे में जानकारी दी जा रही है।

एसोसिएशन के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. नीरज यादव ने युवाओं को खेल के दौरान होने वाली विभिन्न इंजरी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने आगामी 4 अक्टूबर को कंधे से जुड़ी समस्याओं पर आयोजित होने वाले वेबिनार की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने का आह्वान किया।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि दूरदराज क्षेत्रों में खेल से जुड़े बच्चे चोट लगने के बाद जानकारी के अभाव में भ्रमित हो जाते हैं और कई बार गलत उपचार के कारण लंबे समय तक परेशान रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए इस तरह के वेबिनार काफी उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन फिजियोथेरेपिस्टों के साथ मिलकर आमजन को स्वास्थ्य एवं खेल चोटों के प्रति जागरूक करने का कार्य निरंतर जारी रखेगा।

उन्होंने बताया कि एसोसिएशन की ओर से लगातार स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को एसोसिएशन से जुड़े चिकित्सकों के उपचार में छूट दिलाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को अलायड एंड हेल्थकेयर से जुड़े विषयों में शिक्षा के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

कार्यक्रम में शामिल चिकित्सकों का डॉ. पीयूष श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कन्वीनर डॉ. सीमा पांडेय, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. विशाल, डॉ. रामप्रवेश, डॉ. सुप्रिया, डॉ. तारक, डॉ. श्रीयांस, डॉ. तनुश्री, डॉ. सतीश, डॉ. आशीष, डॉ. रितेश और डॉ. प्रीति शर्मा सहित सत्कार इंस्टीट्यूट के एडमिन कृष्णमोहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन टीम के अध्यक्ष डॉ. अमरेश मोहन पाठक ने किया।

# पीयू ने जारी किया सत्र 2026-27 का खेलकूद कैलेंडर

## विश्वविद्यालय परिसर में होंगी प्रमुख प्रतियोगिताएं, विभिन्न महाविद्यालयों को भी मिली जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खेलकूद परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

**विश्वविद्यालय परिसर में होंगी ये प्रतियोगिताएंः** खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

**महाविद्यालयों को मिली विभिन्न खेलों की जिम्मेदारीः** बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर को, हैंडबाल पुरुष की फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर को तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है। खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिद्दीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। बास्केटबाल पुरुष के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है।

कबड्डी पुरुष के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर तथा कबड्डी महिला के लिए मड़ियाहूं पीजी कॉलेज, मड़ियाहूं को जिम्मेदारी दी गई है। वालीबाल पुरुष की प्रतियोगिता सत्यदेव पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा क्रासकंट्री पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिता पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर में होगी।

ट्रायल स्तर पर हॉकी महिला एवं पुरुष के लिए श्री चंद्रभान सिंह पीजी कॉलेज, करमपुर, गाजीपुर को जिम्मेदारी दी गई है। शक्तितोलन पुरुष एवं महिला तथा शरीर सौष्ठव पुरुष के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को नामित किया गया है। बास्केटबाल महिला के लिए पीजी कॉलेज, गाजीपुर तथा ताइक्वांडो पुरुष एवं महिला के लिए स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, गाजीपुर को जिम्मेदारी मिली है।

बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला के लिए एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, शूटिंग पुरुष एवं महिला के लिए टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर, हैंडबाल महिला के लिए राजाराम महाविद्यालय, बैलोचकला, जौनपुर तथा वालीबाल महिला के लिए राम अवध यादव राजकीय महिला महाविद्यालय, तारा, शाहगंज, जौनपुर को प्रतियोगिताएं आवंटित की गई हैं।

इसी क्रम में कराटे पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी एमपीएस पीजी कॉलेज, जौनपुर, तीरंदाजी पुरुष एवं महिला की हिन्दू पीजी कॉलेज, जमानियां, गाजीपुर तथा भारतोलन महिला एवं पुरुष की राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर को दी गई है। वाकिंग की जिम्मेदारी श्री आचार्य बलदेव पीजी कॉलेज, पतहरिया, जौनपुर को सौंपी गई है।

खेलकूद परिषद की ओर से जारी कैलेंडर के माध्यम से सत्र 2026-27 में होने वाली अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं, जिससे प्रतियोगिताओं के संचालन की तैयारियां निर्धारित जिम्मेदारी वाले संस्थानों द्वारा की जा सकेंगी।

## स्मृति में किया रक्तदान शिविर, 51 यूनिट्स हुआ संग्रहण

उदयपुरवाटी। स्वर्गीय सेठ श्री नाथूराम सैनी व स्वर्गीय श्रीमती सेठी देवी की पावन स्मृति पर चुंगी नंबर 3 पर रविवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसके आयोजक डॉ महेंद्र कुमार माली,प्राध्यापक जगदीश सैनी केमिस्ट लक्ष्मी नारायण उर्फ सोनू रहे। स्व.सेठ के तीनों पुत्रों के सौजन्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोज्य शिविर में डॉ रामपाल ब्लड सेंटर जयपुर की टीम ने यहां रक्त संग्रहण का कार्य किया। जानकारी देते हुए डॉ .महेंद्र माली ने बताया कि शिविर में कुल 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान डॉ राजेंद्र कुमावत आयुर्वेद चिकित्सक,एडवोकेट मोतीलाल सैनी, देवकल्प आयुर्वेद सीकर के डॉ.दिनेश कुमावत,डा रवि माली डा प्रवेज खान, इस्लाम,इमरान कायमखानी, नरेश मिस्त्री,सुरेश सैनी फार्मासिस्ट गुंजन माली दीपिका रेपस्वाल,योगेन्द्र पुष्पेंद्र पवन उमेश नवलगढ़ सहित कई नियर डियर व मित्रगण उपस्थित रहे।

## चंदवक में निमार्णाधीन फोरलेन की पुलिया में घुसी बस, 13 यात्री घायल

जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। चंदवक थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव के पास रविवार को एक बस अनियंत्रित होकर निमार्णाधीन फोरलेन की पुलिया में जा घुसी। हादसे में बस में सवार 21 यात्रियों में से 13 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बस में फंसे और घायल यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए सौ शैय्या चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने छह घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही चंदवक पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा हादसे से संबंधित अन्य आवश्यक तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

## शॉर्ट फिल्म महामंडलेश्वर का भव्य मुहूर्त एवं प्रीमियर सम्पन्न

### सनातन धर्म, तपस्या, समाजसेवा और नारी शक्ति के संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी

डाला/सोनभद्र ( उत्तरशक्ति )। श्री बालाजी महाराज फिल्म प्रेजेंट्स के बैनर तले निर्देशक ए.के. गुप्ता के निर्देशन में निर्मित हिंदी शॉर्ट फिल्म महामंडलेश्वर (जिला सोनभद्र) का भव्य ग्रैंड रिलीजिंग मुहूर्त एवं प्रीमियर प्रदर्शन डाला स्थित एसएसएस होटल, वैष्णो मंदिर के बगल में सम्पन्न हुआ। फिल्म सनातन धर्म, तपस्या, समाजसेवा, आस्था, शक्ति, संस्कार और समर्पण के साथ नारी शक्ति के संघर्ष एवं प्रेरणा पर आधारित है। फिल्म के माध्यम से समाजसेवा और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े पहलुओं को प्रेरणादायक ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम के विशेष अवसर पर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सरितानंद गिरि जी महाराज (निरंजनी अखाड़ा, हरिद्वार) की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और फिल्म निर्माण से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर थानाध्यक्ष चोपन गोपाल गुप्ता, डाला चौकी प्रभारी, बभनी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजन सिंह, अजीत गुप्ता, मनोज तिवारी, संजय श्रीवास्तव, मनोज सिंह राणा, शशि चौबे, अशोक कन्नौजिया, बिंदु गिरि, साधना पांडेय, सुमन पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## मड़ियाहूं में रंगदारी के आरोपी को संरक्षण देने के आरोप में मामा गिरफ्तार

जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। मड़ियाहूं थाना पुलिस ने रंगदारी के मुकदमे में वांछित हिस्ट्रीशीटर को संरक्षण देने के आरोप में उसके मामा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिमन्यु गौतम पुत्र स्वर्गीय बड़ेलाल निवासी लखरांव, थाना बरसठी, जौनपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, हिस्ट्रीशीटर संदीप गौतम उर्फ सावन के खिलाफ रंगदारी मांगने की तहरीर के आधार पर 16 सितंबर को थाना मड़ियाहूं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमे की विवेचना के दौरान पुलिस वांछित संदीप गौतम की तलाश कर रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने उसके मामा अभिमन्यु गौतम को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस का आरोप है कि अभिमन्यु गौतम द्वारा वांछित हिस्ट्रीशीटर को संरक्षण दिया जा रहा था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना मड़ियाहूं में मुकदमा अपराध संख्या 377/2026 के तहत धारा 254 बीएनएस में अभियोग दर्ज किया है। कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अनुज प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल मो. रिजवान और कांस्टेबल अजय सिंह शामिल रहे।

## सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

वसई। भारतीय जनता पार्टी वसई शहर मंडल की ऑर्गनाइजेशनल एग्जीक्यूटिव मीटिंग आर. पी. वाघ स्कूल, वसई पश्चिम में उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित की गई। बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित शामिल हुईं और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों तथा पार्टी के कार्यों को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में हाल ही संपन्न सेवा संकल्प अभियान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बात कार्यक्रम को संगठन स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के साथ-साथ आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने तथा जनसेवा के कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव जोगेंद्र प्रसाद चौबे, जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, जिला आदिवासी मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती कल्पना खरपड़े, भाजपा वसई शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, मंडल महासचिव चेतन वर्षिकर एवं संतोष काकड सहित जिला एवं मंडल के पदाधिकारी, बूथ प्रमुख, शक्ति केंद्र प्रमुख और बीएलओ उपस्थित रहे।

गणपति उत्सव के दरम्यान राष्ट्रीय स्वयं संघ के ज्येष्ठ स्वयं सेवक संजय नगरकर प्रभादेवी के घर विराजे गणपति बप्पा का दर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रभादेवी भाग के प्रमुख कार्यवाह परेशकांत मांगलिक, स्वयंसेवक नरेन्द्र सोनी, बालगोविंद तिवारी। छाया: उत्तरशक्ति

## क्राईस्ट यूनिवर्सिटी ने भारत में एंटरप्राईज ए.आई एजुकेशन का भविष्य तय करने के लिए सेल्सफोर्स के साथ पार्टनरशिप की

मुंबई। क्राईस्ट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) ने नं. 1 एजेंटिक ए.आई सीआरएम, सेल्सफोर्स के साथ पार्टनरशिप की है। इस पार्टनरशिप का उद्देश्य सेल्सफोर्स ए.आई इनोवेशन लैब और एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना करना है। इस सहयोग से स्टूडेंट्स और फैकल्टी को उद्योग के लिए जरूरी शिक्षा व कौशल प्रदान करके ए.आई, डिजिटल इनोवेशन और एंटरप्राईज टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने की यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह पार्टनरशिप ए.आई एजुकेशन, रिसर्च, इनोवेशन और एंटरप्राईज टेक्नोलॉजी के लिए पूरे विश्व में मान्यताप्राप्त केंद्र बनने के क्राईस्ट यूनिवर्सिटी के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सेल्सफोर्स की ए.आई इनोवेशन लैब स्टूडेंट्स को एजेंटिक ए.आई सॉल्यूशन बनाने और सेल्सफोर्स पर एंटरप्राईज वर्कफ्लो का प्रायोगिक अनुभव प्रदान करेगी, जिससे स्टूडेंट्स प्रायोगिक और उद्योग के लिए जरूरी स्किल प्राप्त करके ग्लोबल ए.आई और सेल्सफोर्स ईकोसिस्टम में हाई-डिमांड भूमिकाओं के लिए तैयार होंगे।

डॉ. फादर जोस सी.सी., वाईस चांसलर, क्राईस्ट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) ने कहा, आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस हर डिसिप्लिन और हर प्रोफेशन में बदलाव ला रही है। क्राईस्ट यूनिवर्सिटी में हम केवल ए.आई पढ़ाना नहीं चाहते, बल्कि उसे लर्निंग, रिसर्च, इनोवेशन, गवर्नेंस और समाज के विकास में शामिल करना चाहते हैं। मनकीरन चौहान, मैनेजिंग डायरेक्टर, सेल्सफोर्स इंडिया ने कहा, ह्यह्यए.आई का भविष्य केवल टेक्नोलॉजी से निर्धारित नहीं होगा, बल्कि उन लोगों से होगा, जो इसका उपयोग व्यापक स्तर पर जवाबदेही के साथ करना जानते होंगे। ऐसी प्रतिभाओं के विकास में यूनिवर्सिटीज की एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह पार्टनरशिप औद्योगिक सहयोग और भविष्य पर केंद्रित शिक्षा प्रदान करने की क्राईस्ट यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी। यह उनके एक ए.आई-पॉवर्ड यूनिवर्सिटी बनने के लक्ष्य का हिस्सा है, जिसमें टेक्नोलॉजी, रिसर्च, इनोवेशन और इंसानी मूल्य एक साथ आगे बढ़कर ग्लोबल लीडर्स और चेंजमेकर्स की अगली पीढ़ी का विकास करेंगे।

## डॉ. हेमंत सावरा ने घर पर सुनी मन की बात के 138वें एपिसोड

वाडा। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने रविवार को अपने निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बात कार्यक्रम के 138वें एपिसोड को सुना। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा देश के विकास, सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भागीदारी को लेकर व्यक्त किए गए विचारों को ध्यानपूर्वक सुना।

डॉ. सावरा ने कहा कि ह्यमन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों से संवाद करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के विचारों से जनसेवा के प्रति उनका संकल्प और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है और समाजहित में सकारात्मक योगदान देना सभी की जिम्मेदारी है। देश सबसे पहले और राष्ट्रहित सबसे ऊपर की भावना के साथ जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी उन्होंने व्यक्त किया।

## उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के आवास पर विराजमान गणपति बप्पा को नम आंखों से दी गई विदाई

इंदौर(उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश इंदौर स्थित सुदामा नगर के गुरुकृपा अपार्टमेंट फ्लैट नंबर 203 मे दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के आवास पर लाडले गणपति बप्पा का उत्सव बड़े उत्साह श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ बप्पा के आगमन पर पूरे परिवार में भक्ति एवं आनंद में वातावरण बना रहा उत्तर शक्ति के इंदौर चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी, अतुल बैरागी, आशिष जैन,पत्रकार बंधु , प्रदीप व्यास, गोविंद प्रसाद सोनी, संतोष मुंशी,समाजसेवी, शिक्षक, गणमान्य लोग, नागरिकों तथा मित्रगण बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । विराजमान गणपति बप्पा का 11 दिनों तक सेवा करने के बाद परिजनों ने नम आंखों से विदाई की , उस अवसर पर एक्सिलेंट क्लासेज की संचालक शिक्षिका श्रीमती सन्मित सिंह कौर , शिक्षिका जप्जी सिंह कौर, श्रीमती रंजू अरविंद मिश्रा, रितिका मिश्रा, निष्ठा मिश्रा, प्रज्ञान मिश्रा, मनोरमा गुड़िया तिवारी , मोहित, दैनिक उत्तर शक्ति उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , अरविंद मिश्रा सहित कई लोगों ने अपनी नम आंखों से विदाई देते हुए कहा कि गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के उद्घोष के साथ दशहरा मैदान पर भावभीनी विदाई कर विसर्जन किया गया।

## इंदौर में सरकारी सिटी बस ने 4 को कुचला, एक की मौत

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के प्रसिद्ध राजवाड़ा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। रविवार को एक बेकाबू सिटी बस ने राह चलते चार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी।

इस भीषण दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस फिलहाल सभी पीडितों की शिनाख्त करने में जुटी हुई है। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने सबसे पहले बस के भीतर फंसी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और फिर बस पर पथराव करते हुए उसके कांच फोड़ दिए।

राजबाड़ा जैसे व्यस्त इलाके में हंगामे की खबर मिलते ही स्थानीय

पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लेते हुए भीड़ को हटाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की विस्तृत जांच शुरू कर दी है ।हादसे के तुरंत बाद सभी को आनन-फानन में एमवाय

अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अन्य घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। पुलिस आसपास के लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से मृतकों और घायलों की पहचान स्थापित करने का प्रयास कर रही है ।

## प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष में कृपाशंकर सिंह द्वारा 176 जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल वितरित

जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में देश में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के बीच महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह द्वारा आज जौनपुर के बदलापुर विधानसभा स्थित सर जेपी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, के केवटली ,महाराजगंज में आयोजित एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम में 176 जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल वितरित किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, विधायक रमेश चंद्र मिश्र, जिला अध्यक्ष पर अजीत प्रजापति, स्वामी परमहंस महाराज, ब्लॉक प्रमुख फंटू सिंह, पूर्व आयकर आयुक्त गौरी शंकर सिंह, पूर्व पुलिस अधीक्षक राममोहन सिंह तथा पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामराज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए कृपाशंकर सिंह ने कहा कि जौनपुर उनकी जन्मभूमि है। यहां की माटी से उनका गहरा लगाव है। यही कारण है कि वे लगातार यहां के विकास कार्यों और समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी ताकत के साथ लोगों के बीच खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 76 वें जन्मदिन के उपलक्ष में बेटियों को आत्मनिर्भर और सम्मान देने की दिशा में 176 जरूरतमंद बेटियों को साइकिल का वितरण किया गया ताकि बेटियां अपने घर से विद्यालय तक का सफर सुरक्षित और आसानी से तय कर सकें। सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि कृपाशंकर सिंह जौनपुर के लोगों के लिए लगातार काम कर रहे हैं। यह हमारा दुर्भाग्य था कि हम उन्हें विजई नहीं बना सके। अगर कृपाशंकर विजय हुए होते तो आज जौनपुर की तस्वीर अलग होती । उन्होंने कहा कि भाजपा ही हमारा परिवार है। विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने बेटियों को साइकिल वितरित करने के लिए कृपाशंकर सिंह का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। प्रख्यात लोक गायिका इंदु यादव ने मधुर गीतों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खासकर प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए सोहर गीत की जमकर सराहना की गई। अंत में विद्यालय के प्रबंधक और कार्यक्रम के संयोजक राजेश सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कृपाशंकर सिंह ने व्यक्तिगत रूप से हर बेटियों को साइकिल देकर विदा किया। वे तब तक कार्यक्रम में डटे रहे जबतक अंतिम छात्रा को साइकिल के साथ रवाना नहीं किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित लोगों में भाजपा युवा नेता अखिल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष पुष्पा निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष लवकुश सिंह, मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश सिंह,अवध नारायण सिंह, युवा समाजसेवी दीपक यादव, वरिष्ठ पत्रकार संजय दुबे, पत्रकार अमित पांडे, प्रधान सज्ञान सिंह, समाजसेविका गीता सिंह, रानी उपाध्याय, वंदना सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

## पोईसर जिमखाना में ओसी को लेकर जन-जागृति सेमिनार का आयोजन

मुंबई। महानगरपालिका की ओसी एमनेस्टी स्कीम को लेकर कांदिवली के पोईसर जिमखाना में एक जन-जागृति सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी विशेष रूप से उपस्थित हुए और वहां आये हुए गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित करते हुए ओसी को लेकर सबका मार्गदर्शन किया। इस आयोजन में बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, सीए रमेश प्रभु, आर्किटेक्ट तरुण मोटा, एड. अमित मेहता, आर्किटेक्ट संदीप कणगुटकर, एड. राहुल हिंगमिरे, वरिष्ठ अधिवक्ता एड. जे.पी मिश्रा, अल्ट्राटेक से इंजीनियर अपर्णा भंडारकर तथा नगरसेविका लीना देहरेकर उपस्थित रहे व उन्होंने भी इस विषय पर अपना विचार प्रकट किया। पोईसर जिमखाना के उपाध्यक्ष श्री करुणाकर शेट्टी ने आये हुए सभी अतिथियों और वक्ताओं का स्वागत तथा सेमिनार का संचालन श्री सुनील शर्मा ने किया।

## गुम हुई 15 वर्षीय किशोरी मिली, परिजनों को सौंपा

वसई रोड। गणपति बप्पा के दर्शन के लिए गुजरात से वसई रोड पश्चिम के दीनदयाल नगर स्थित मनिहार बिल्डिंग में आई 15 वर्षीय किशोरी अचानक गुम हो गई। किशोरी के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद भाजपा पदाधिकारी रोमा मैडम और बबीता शर्मा ने तत्परता दिखाते हुए उसकी तलाश शुरू की। दोनों पदाधिकारियों ने आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाते हुए काफी प्रयास किया और आखिरकार किशोरी को खोज निकाला। इसके बाद किशोरी से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर उसे उसके सगे-संबंधियों के सुपुर्द कर दिया गया। किशोरी के सकुशल मिलने की जानकारी मिलते ही स्थानीय भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने रोमा मैडम और बबीता शर्मा के प्रयासों की सराहना की तथा उनकी तत्परता के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। उनके इस प्रयास से परिवार को राहत मिली और गणेशोत्सव के दौरान एक चिंतित परिवार को अपनी बेटी सुरक्षित वापस मिल सकी।

## अनंत चतुर्दशी पर दो महाभंडारों में 26 हजार से अधिक भक्तों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

नालासोपारा। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में गणेश भक्तों की सेवा के लिए दो बड़े महाभंडारों का आयोजन किया गया। नालासोपारा पूर्व के गालानगर तथा विरार पूर्व स्थित मनवेलपाड़ा झील के पास आयोजित इन दोनों महाभंडारों में 26 हजार से अधिक गणेश भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। भाजपा जिला महासचिव मनोज बारोट ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान विसर्जन के लिए जाने वाले भक्तों की सेवा के उद्देश्य से विधायक राजन नाइक के मार्गदर्शन में गालानगर में पिछले 20 वर्षों से तथा मनवेलपाड़ा में पिछले 5 वर्षों से महाभंडारे की सेवा परंपरा जारी है।

इस वर्ष भी दोनों स्थानों पर श्रद्धा और उत्साह के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। महाभंडारे की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भाजपा के पदाधिकारियों, नगरसेवकों, मंडल पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए महाप्रसाद वितरण, पेयजल, स्वच्छता, आवागमन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विशेष योजना बनाई गई थी। इस अवसर पर मनोज बारोट ने कहा कि अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश भक्तों की सेवा करने का अवसर मिलना आस्था और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि विधायक राजन नाइक के मार्गदर्शन में वर्षों से चली आ रही यह सेवा परंपरा इस वर्ष भी सफल रही और 26 हजार से अधिक भक्तों ने महाप्रसाद का लाभ उठाया। उन्होंने आयोजन की सफलता का श्रेय सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयास को दिया।

वहीं, विधायक राजन नाइक ने दोनों महाभंडारों को मिले उत्साहपूर्ण प्रतिसाद के लिए गणेश भक्तों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन की योजना, व्यवस्था और सेवा कार्य में जुटे सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति भी विशेष धन्यवाद व्यक्त किया।

## धान के खेत में मिला अधेड़ का शव, आंधी-बारिश में साइकिल से गिरने की आशंका

खेतासराय ,जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। कलापुर बाजार से करीब पांच सौ मीटर पहले रविवार को धान के खेत में एक अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में तेज आंधी-बारिश के दौरान साइकिल से अनियंत्रित होकर पानी भरे खेत में गिरने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान विनोद गौतम ( 43 ) पुत्र नंदलाल गौतम निवासी कबीरुद्दीनपुर, थाना खुटहन, जौनपुर के रूप में हुई। बताया गया कि विनोद आदमपुर में दाढ़ी-बाल बनाने का काम करता था। परिजनों के अनुसार, शनिवार रात वह दुकान बंद कर साइकिल से घर लौट रहा था।